Series SOS

Code No. **2/1**
कोड नं.

Roll No. ☐☐☐☐☐☐☐
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*
Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

नए युग में विचारों की नई गंगा कहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफ़ाँ में नहाओ तुम ।
अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने —
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है —
उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम ।

[redacted]

पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे ।
तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी —
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे ।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम ।

(क) यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर लें तो क्या-क्या कर सकते हैं ?

(ख) नवयुवकों से क्या-क्या करने का आग्रह किया जा रहा है ?

(ग) युवक यदि परिश्रम करे तो क्या लाभ होगा ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे ।

(ङ) काव्यांश में से कोई एक मुहावरा चुनकर उसका वाक्य-प्रयोग कीजिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कुछ लोगों को अपने चारों ओर बुराइयाँ देखने की आदत होती है । उन्हें हर अधिकारी भ्रष्ट, हर नेता बिका हुआ और हर आदमी चोर दिखाई पड़ता है । लोगों की ऐसी मनःस्थिति बनाने में मीडिया का भी हाथ है । माना कि बुराइयों को उजागर करना मीडिया का दायित्व है, पर उसे सनसनीख़ेज़ बनाकर 24 × 7 चैनलों में बार-बार प्रसारित कर उनकी चाहे दर्शक-संख्या (TRP) बढ़ती हो, आम आदमी इससे अधिक शंकालु हो जाता है और यह सामान्यीकरण कर डालता है कि सभी ऐसे हैं । आज भी सत्य और ईमानदारी का अस्तित्व है । ऐसे अधिकारी हैं जो अपने सिद्धान्तों को रोज़ी-रोटी से बड़ा मानते हैं । ऐसे नेता भी हैं जो अपने हित की अपेक्षा जनहित को महत्त्व देते हैं । वे मीडिया-प्रचार के आकांक्षी नहीं हैं । उन्हें कोई इनाम या प्रशंसा के सर्टीफ़िकेट नहीं चाहिए, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कोई विशेष बात नहीं कर रहे, बस कर्तव्यपालन कर रहे हैं । ऐसे कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों से समाज बहुत-कुछ सीखता है । आज विश्व में भारतीय बेईमानी या भ्रष्टाचार के लिए कम, अपनी निष्ठा, लगन और बुद्धि-पराक्रम के लिए अधिक जाने जाते हैं । विश्व में अग्रणी माने जाने वाले देश का राष्ट्रपति बार-बार कहता सुना जाता है कि हम भारतीयों-जैसे क्यों नहीं बन सकते । और हम हैं कि अपने को ही कोसने पर तुले हैं ! यदि यह सच है कि नागरिकों के चरित्र से समाज और देश का चरित्र बनता है, तो क्यों न हम अपनी सोच को सकारात्मक और चरित्र को बेदाग़ बनाए रखने की आदत डालें ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ख) लेखक ने क्यों कहा है कि कुछ लोगों को अपने चारों ओर बुराइयाँ देखने की आदत है ? 2

(ग) लोगों की सोच को बनाने-बदलने में मीडिया की क्या भूमिका है ? 2

(घ) अपनी टी.आर.पी. बढ़ाने के लिए कुछ चैनल क्या करते हैं ? उसका आम नागरिक पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2

(ङ) 'आज भी सत्य और ईमानदारी का अस्तित्व है' — पक्ष या विपक्ष में अपनी ओर से दो तर्क दीजिए । 2

(च) आज दुनिया में भारतीय किन गुणों के लिए जाने जाते हैं ? 1

(छ) किसी संपन्न देश के राष्ट्रपति का अपने नागरिकों से भारतीयों-जैसा बनने के लिए कहना क्या सिद्ध करता है ? 1

(ज) लेखक भारतीय नागरिकों से क्या अपेक्षा करता है ? 1

(झ) प्रत्यय अलग कीजिए — नागरिक, ईमानदारी । 1

(ञ) उपसर्ग अलग कीजिए — बेदाग़, अधिकारी । 1

(ट) सरल वाक्य में बदलिए — 1
ऐसे अधिकारी हैं जो अपने सिद्धान्तों को रोज़ी-रोटी से बड़ा मानते हैं ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : 5

(क) मेरा प्रिय एफ.एम. चैनल

(ख) राष्ट्रमंडल-खेलों में भारतीयों का प्रदर्शन

(ग) बाढ़ की विभीषिका

(घ) वैर नहीं, मैत्री करना सिखाते हैं धर्म

4. बढ़-चढ़कर दावा करने वाले और भ्रामक प्रचार करने वाले विज्ञापनों से ग्राहकों, उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । दो सुझाव भी लिखिए । 5

अथवा

अपने पसंदीदा कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उस टी.वी. चैनल के कार्यक्रम निदेशक को पत्र लिखकर कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाने के दो सुझाव दीजिए ।

5. (क) संक्षेप में उत्तर लिखिए : 1×

(i) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

(ii) संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए ।

(iii) 'समाचार' शब्द को परिभाषित कीजिए ।

(iv) मुद्रित माध्यम की एक विशेषता बताइए जो इलैक्ट्रॉनिक माध्यम में नहीं है ।

(v) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण बताइए ।

(ख) 'युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति' **अथवा** 'किसानों की समस्याओं की अनदेखी' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

6. 'मेरे स्कूल का पुस्तकालय' **अथवा** 'मेरे शहर में प्रदूषण' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए ।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4

छोटा मेरा खेत चौकोना
काग़ज़ का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष !

(क) खेत की तुलना काग़ज़ के पन्ने से क्यों की गई है ?

(ख) खेत अगर काग़ज़ है तो बीज क्या है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

(ग) काव्य-पंक्तियों के आधार पर किसी कवि की रचना-प्रक्रिया को क्रम से समझाइए ।

(घ) रचना में विचारों के अंधड़ की क्या भूमिका है ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं । नारि हानि बिसेष छति नाहीं ॥
अब अवलोकु सोकु सुत तोरा । सहिहि निठुर कठोर उर मोरा ॥
निज जननी के एक कुमारा । तात तासु तुम्ह प्रान अधारा ॥
सौंपेसि मोहि तुम्हहिं गहि पानी । सब बिधि सुखद परम हित जानी ॥
उतरु काह दैहउँ तेहि जाई । उठि किन मोहि सिखावहु भाई ॥

(क) 'उठि किन मोहि सिखावहु भाई' — कौन किसे कह रहा है ? काव्यांश का संदर्भ क्या है ?

(ख) पंक्तियों के आधार पर भाई के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'उतरु काह दैहउँ तेहि जाई ।' 'तेहि' किसे कहा गया है ? उसके समक्ष जाने में राम को क्या संकोच है ?

(घ) इन पंक्तियों में नारी के बारे में तुलसी की जो मान्यता उजागर हुई है, उस पर अपने विचार लिखिए ।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 3 = 6$

मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते —
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ ।

(क) रूपक अलंकार का एक उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।

अथवा

नहला के छलके-छलके निर्मल जल से,
उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके
किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को
जब घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े ।

(क) काव्यांश की रचना किस छंद में हुई है ? उस छंद की क्या विशेषता है ?

(ख) काव्यांश से हिन्दी, उर्दू और लोकभाषा के उदाहरण छाँटकर लिखिए ।

(ग) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :
किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को
जब घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) "'कैमरे में बंद अपाहिज़' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ख) सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्र है ।

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए — 'विप्लव रव से छोटे ही हैं शोभा पाते ।'

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है । और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति — शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं । न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं । वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं ।

(क) लेखक और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस समस्या की चर्चा है ।

(ख) बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकते हैं और कैसे ?

(ग) 'पर्चेज़िंग पावर' का क्या तात्पर्य है ? पर्चेज़िंग पावर का गर्व बाज़ार का क्या अहित करता है ?

(घ) 'बाज़ार का बाज़ारूपन' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते कि झड़ना निश्चित है ! सुनता कौन है ? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं । दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है । मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे । भोले हैं वे । हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो । जमे कि मरे !

(क) लेखक और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस वनस्पति का उल्लेख है ।

(ख) भोले किन्हें कहा गया है और क्यों ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए — हिलते-डुलते रहो, ... जमे कि मरे !

(घ) शिरीष के फूलों की वह विशेषता क्या है जिसके कारण लेखक को यह सब कहना पड़ा ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×4=12*

(क) "उनको यह नमक देते वक़्त मेरी तरफ़ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा । तो बाक़ी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा ।" 'नमक' कहानी में लाहौर के कस्टम अधिकारी के इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तीन तर्क दीजिए ।

(ख) डॉ. भीमराव आंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज की आधारभूत बातें संक्षेप में समझाइए ।

(ग) लेखक ने चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किसे कहा है और क्यों ?

(घ) 'इंदर सेना' क्या थी ? जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार सही ठहराया ?

(ङ) "भक्तिन अच्छी है — यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं ।" लेखिका के इस कथन के आलोक में भक्तिन के चरित्र की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'जूझ' कहानी के आधार पर लेखक में कविता के प्रति रुचि जगाने और कविता करना सिखाने में उसके अध्यापक के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) "किशन दा को अपना आदर्श मानने के फेर में यशोधर नई पीढ़ी के साथ भी तालमेल नहीं बिठा पाते ।" इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ग) यह कैसे कहा जा सकता है कि सिंधु-सभ्यता में भव्यता का आडंबर नहीं था ?

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

(क) ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी होगी ?

(ख) मुअनजो-दड़ो कहाँ है तथा क्यों प्रसिद्ध है ?

(ग) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर 'जो हुआ होगा' कथन के दो अर्थ लिखिए ।

14. ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी में नारी-स्वतंत्रता की जो कल्पना की है, आज उस स्थिति में कितना परिवर्तन आया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *5*

अथवा

'जूझ' कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए ।